कैंसर रोग के संबंध में जानकारी देते हुए।

लोगों के सिर व गर्दन के 50 फीसदी हिस्से में होता है कैंसर

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 9755099353

कैंसर किसी भी प्रकार का हो, वह एक जानलेवा बीमारी है जो शरीर के विभिन्न हिस्सों में हो सकता है। लेकिन वर्तमान दौर में मुंह के कैंसर से सबसे ज्यादा लोग पीड़ित हैं। लगभग 50 प्रतिशत कैंसर सिर और गर्दन के हिस्से में पाया जाता है। इनमें से 80 प्रतिशत मामलों में कैंसर अंतिम अवस्था में पहचाना जाता है, जिससे उसका इलाज बहुत मुश्किल हो जाता है। इससे बचने के लिए इंडोको रेमेडीज एक जागरुकता अभियान चलाने जा रहा है।

इंडोको रेमेडीज लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर अदिति कारे ने बताया कि इंडोको रेमेडीज लिमिटेड एक रिसर्च फार्मा कंपनी है। कंपनी ने वर्ल्ड हेड एंड नेक कैंसर डे पर 27 जुलाई को मुंह के कैंसर की प्रारंभिक जांच अभियान की घोषणा की है। यह अभियान हेल्थ केयर विशेषज्ञों की सहायता से संपूर्ण भारत में आयोजित किया जा रहा है। डॉ. अरुण अग्रवाल, कैंसर रोग विशेषज्ञ इंदौर ने बताया कि मुंह का कैंसर भारत में आम है। यह पुरुषों में लगभग 46% एवं महिलाओं में 15% पाया गया है। 90- 97% मुंह का कैंसर तंबाकू के

कैसे होती है कैंसर की शुरुआत

उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत मुंह में छाले से होती है, जो आसानी से ठीक नहीं होते। इसमें होंठ, जीभ, गाल, कठोर और मुलायम तालू, साइनस और फेरनक्स (गले) के कैंसर शामिल हैं, और अगर समय रहते इनकी पहचान और इलाज नहीं होता, तो यह जीवन के लिए खतरनाक हो सकते हैं।

प्रारंभिक अवस्था में मुंह के कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, इंडोको रेमेडीज अपनी एक मार्केटिंग डिवीजन 'वारेन नेक्सजेन' द्वारा, कैंसर विशेषज्ञों के लिए देशभर में स्पेशल सेमिनार का आयोजन कर रही है। इसके बाद ये विशेषज्ञ सक्रिय रूप से मुंह के कैंसर के शुरुआती पहचान करेंगे और ऐसे लोग जिनमें मुंह के कैंसर के लक्षण पाए गए हैं, उन्हें ट्रीटमेंट की उचित सलाह देंगे।

किसी भी रूप में उपयोग के कारण होता है जैसे सिगरेट, गुटखा, शीशा, सुपारी, पान मसाला आदि। यह उन लोगों में भी पाया जाता है जो अल्कोहल अधिक लेते हैं। हालांकि किसी भी स्तर पर मुंह के कैंसर का इलाज किया जा सकता है।